

राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

<p>तारीख</p>	<p>228 2017</p> <p>रामादेवी / तारादेवी</p> <p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
--------------	---	---

03/4/18

आधिवक्ता कपीलान्त उपस्थित /  
आधिवक्ता ने इस 225  
शासकान काश्तकारी अधिनियम से सम्बन्धित  
मूल वाड नं. 175/12 की प्रमाणित प्रतिलिपी  
प्रस्तुत करते हुये निवेदन किया कि आधिवक्ता  
न्यायालय द्वारा इस कपील से सम्बन्धित  
मूल वाड को कसम हाजरी व कसम पैरवी  
में स्वारित करना दिया गया है एवं उक्त  
आधिवक्ता न्यायालय का कडेश का  
भी प्रभावी है इसलिये यह कपील कब  
सारहीन हो गई है, अतः स्वारित करना  
बातें।

यूकी इस 225 शासकान  
काश्तकारी अधिनियम से सम्बन्धित  
मूल वाड को ही आधिवक्ता न्यायालय  
द्वारा स्वारित करना दिया गया है जिससे  
यह कपील कब सारहीन हो गई  
है। अतः कपील कपीलापी सारहीन  
हो जाने से स्वारित की जाती है।  
पगावली कंसल शुमार होकर वाड  
नकसील दाखिल करवाए। कडेश  
सुनाया गया।